स्थल के रूप- मैदान
INDIA- RELIEF & STRUCTURE

By: **संजय कुमार**
प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष
स्नातकोत्तर भूगोल विभाग
महाराजा बहादुर राम रण विजय प्रसाद सिंह कॉलेज (महाराजा कॉलेज),आरा

CC- 204

UNIT- 1

भाग-1

स्थल के रूप- मैदान

- मैदान का नाम लेते ही दिमाग में सहसा गंगा के मैदान का नाम आता है। यहाँ यह प्रश्न उठता है कि क्या सभी मैदान एक ही तरह के होते हैं ? क्या सभी मैदान बनावट एवं संरचना की दृष्टि से एक ही होते हैं ? ऐसे ही कई अन्य सवाल आपके मन में आ रहे होंगे जिनकी जानकारी यहाँ दी जा रही है। आपने यह भी पढ़ा है कि आंतरिक भूसंचलन से निर्मित स्थलरूप को अपरदन के कारक (चट्टानों को) काट-छाँट कर बराबर करने में लगी रहती हैं। काटने-छाँटने से प्राप्त मलवों को परिवहन क्रिया से नीचे की ओर धँसे भाग यानी बेसिनों में जमा किया जाता है, जिसे निक्षेपण कहा जाता है। समतल स्थापन की क्रिया के कारण धरातल पर विभिन्न प्रकार के स्थलरूपों या आकृतियों का निर्माण होता है जिनमें मैदान भी शामिल है । पर्वत, पठार और मैदान, ये वृहत स्तर के विभाजन हैं।

स्थल के रूप- मैदान

- आपको यह भी जानकर आश्चर्य होगा कि सभी मैदान देखने में एक जैसे लगते हैं, लेकिन ये सभी एक तरह के नहीं होते। निर्माण की दृष्टि से सभी मैदान अलग- अलग होते हैं।

मैदान के विविध रूप

1. जलौढ़ मैदान-
2. बाढ़ का मैदान-
3. कास्ट मैदान-
4. हिमानी मैदान-
5. तटीय मैदान-
6. मरूस्थलीय मैदान-
7. डेल्टा मैदान-
8. समप्राय मैदान-
9. लोएस मैदान-
10. आउटवाश मैदान-
11. झील निर्मित मैदान-
12. पोल्डर-
13. पर्वतपदीय मैदान-

स्थल के रूप- मैदान

- **जलौढ़ मैदान-** नदियों द्वारा बहाकर लाई गई मलवों के जमाव से बने मैदान को ही जलौढ़ मैदान कहा जाता है । इस प्रकार के मैदान के विकास में परिवहन कार्य का योगदान ज्यादा होता है । गंगा का मैदान, हवांग्हो का मैदान, क्वांटो का मैदान, पो नदी से बना लोम्बार्डी का मैदान नदियों के द्वारा लाए गए जलौढ़ के जमाव से बने मैदानों के उदाहरण हैं।

स्थल के रूप- मैदान

- **बाढ़ का मैदान-** नदियों द्वारा बाढ़ के दौरान जमा किए गए मलवों के निक्षेप से बने मैदान को बाढ़ का मैदान कहा जाता है । उदाहरण के लिए- आमेजन का मैदान,
- नील नदी का मैदान,
- मिसीसीपी का मैदान,
- यांग्सी का मैदान,
- ह्वांगहो का मैदान इत्यादि।

स्थल के रूप- मैदान

- **कास्ट मैदान** – चूना पत्थर, खड़िया अथवा डोलोमाइट क्षेत्र में बने मैदान को कास्ट मैदान कहा जाता है। ऐसे मैदान प्रायः चूना पत्थर, खड़िया अथवा डोलोमाइट क्षेत्र में ही पाये जाते हैं । युगोस्लाविया में एड्रियाटिक के तट पर चूनापत्थर , फ्रांस के मध्यवर्ती क्षेत्र का मैदान, पूर्वी अंगोला का मैदान और मैक्सिको की खाड़ी के निकट विकसित मैदान कास्ट मैदान के सुंदर उदाहरण हैं।

स्थल के रूप- मैदान

- **हिमानी मैदान-** हिमानी मैदान को टिल मैदान भी कहा जाता है। बोल्डर यानी गोलाश्म मृत्तिका के जमाव से इस प्रकार के मैदान का निर्माण होता है। मध्यवर्ती यूरोप का मैदान, लद्दाख में श्योक से पूरब और चांग चोमो नदी के उत्तर स्थित मैदान हिमानी मैदान के उदाहरण हैं।

स्थल के रूप- मैदान

- **तटीय मैदान-** किसी देश के तटीय भाग में फैले मैदान को तटीय मैदान कहा जाता है। तट की आकृति और बनावट के कारण ऐसे मैदान सँकरे या फिर चौड़े हो सकते हैं। उदाहरण के लिए- डेल्टाई मैदान होने के कारण भारत का पूर्वी तटीय मैदान चौड़ा है जबकि पश्चिमी तटीय मैदान सँकरा है। आस्ट्रेलिया का भी पूर्वी तटीय मैदान चौड़ा है जबकि पश्चिमी तटीय मैदान सँकरा है। यदधपि दोनों तट भ्रंश रेखा से बना है फिर भी ग्रेट डिवाइडिंग रेंज से निकलनेवाली नदियों ने निक्षेप से पूर्वी तट को चौड़ा बना दिया है । भ्रंश रेखा से निर्मित होने के कारण अंगोला और नामीबिया का तटीय मैदान विश्व का सबसे सँकरा तटीय मैदान है। आमेजन नदी के निक्षेप से बना होने के कारण उत्तरी ब्राजील का तटीय मैदान बहुत चौड़ा है।

स्थल के रूप- मैदान

- **मरूस्थलीय मैदान-** विश्व के शुष्क एवं अर्धशुष्क मरूस्थीय क्षेत्रों में अपरदन कारकों के प्रभाव से तथा निक्षेप से निर्मित मैदान को मरूस्थलीय मैदान कहा जाता है। भारत में थार मरूस्थल का मैदान, तारीम बेसिन का मैदान, ग्रेट बेसिन का मैदान, भारत में सांभर झील के किनारे विकसित बाल्सन और प्लाया मैदान मरूस्थलीय मैदान के उदाहरण प्रस्तुत करते हैं।

स्थल के रूप- मैदान

- **डेल्टा मैदान-** कुछ क्षेत्रों में नदियों को सागर या खाड़ी में मिलने या गिरने से पहले साथ में लाए हुए मलवों को जमा करने या फैलाने के लिए जगह मिल जाता है । तटीय क्षेत्रों में महीन कणों के जमाव से निर्मित मैदान को डेल्टा मैदान कहा जाता है । गंगा और बह्मपुत्र नदियों के निक्षेप से बंगाल की खाड़ी के तट पर विश्व के सबसे बड़े डेल्टा का निर्माण हुआ है । इसे सुंदरवन डेल्टा भी कहा जाता है।

स्थल के रूप- मैदान

- **समप्राय मैदान-** नदियों द्वारा अपरदन क्रिया की समाप्ति के बाद बचे शेष समतल भूमि को समप्राय मैदान या अपरदनात्मक मैदान कहा जाता है। जिनमें रॉची समप्राय मैदान, मिसीसिप्पी की घाटी , स्कॉटलैंड की उत्तरी उच्च भूमि, स्वर्णरेखा घाटी, चंबल घाटी इत्यादि शामिल हैं।

स्थल के रूप- मैदान

- **लोएस मैदान-** विश्व के शुष्क एवं अर्धशुष्क मरूस्थीय क्षेत्रों से वायु द्वारा उड़ाकर बालू कणों और महीन कणों को मरूस्थल के बाहर अन्यत्र ले जाकर जमा कर दिया जाता है। बालू कणों के निक्षेप से निर्मित ऐसे ही मैदान को लोएस मैदान कहा जाता है। युक्रेन का मैदान, अर्जेण्टीना के पंपास क्षेत्र का मैदान इत्यादि।

स्थल के रूप- मैदान

- **आउटवाश मैदान-** हिम और जलौढ़ के मिश्रण से निर्मित मैदान को हिमजलौढ़ या आउटवाश मैदान कहा जाता है ।पश्चिमी यूरोप का तटीय मैदान, हडसन का तटीय मैदान और सें लॉरेंस का मैदान आउटवॉश मैदान के उदाहरण हैं।

स्थल के रूप- मैदान

- **झील निर्मित मैदान-** दो पर्वतों या पठारों के बीच झील के भरने से बने मैदान को झील निर्मित मैदान कहा जाता है ।
- उदाहरण हैं-
- काश्मीर का मैदान,
- लोकतक का मैदान,
- इम्फाल बेसिन,
- रेड बेसिन,
- हंगरी का मैदान और
- ग्रेट लेक्स का तटीय मैदान ऐसे ही मैदान हैं।

स्थल के रूप- मैदान

- **पोल्डर-** समुद्र के नीचे से निकाला गया सतह या समुद्र के पानी को निकालकर कृत्रिम रूप से मानव द्वारा तैयार किए गए भूमि को पोल्डर कहा जाता है । नीदरलैंड में मानव द्वारा तैयार किए गए ऐसे भूमि को पोल्डर कहा जाता है । कई देशों में अब तटीय भूमि को सूखी भूमि में तब्दील करके हवाई अड्डा, नए शहर बनाए जा रहे हैं।
- नवी मुम्बई का विकास भी इसी तरह से किया गया है ।
- **पर्वतपदीय मैदान-** पर्वतों के निचले हिस्से में विकसित मैदान को पर्वतपदीय मैदान कहा जाता है ।

विश्व के कुछ प्रमुख मैदान

I. जापान स्थित क्वाण्टों का मैदान, कंबोडिया और वियतनाम में मेकांग नदी का मैदान, थाईलैंड में मेनाम का मैदान और म्यान्मा स्थित इरावदी का मैदान चावल उत्पादन के लिए जाना जाता है ।
II. इटली का पो मैदान चावल निर्यात के लिए जाना जाता है ।
III. मध्य अक्षांशीय घास मैदान गेहूँ उत्पादन के लिए जाना जाता है ।
IV. हंगरी का मैदान और मुख्यतः डेन्यूब का मैदान गेहूँ उत्पादन के लिए जाना जाता है।
V. आस्ट्रेलिया का विक्टोरिया प्रांत स्थित विमेरा मैदान गेहूँ का सबसे बड़ा उत्पादक है।
VI. भारत में उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा,बिहार, राजस्थान और मध्य प्रदेश के मैदानों में गेहूँ की खेती की जाती है।

धन्यवाद